2. हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था (PART -1 कविता) - कार्यपत्रिका

1. आशयवाली पंक्तियाँ लिखें।

1. कवि व्यक्ति से अपरिचित है ।

   ----

2. जीवन की समस्याओं से एक व्यक्ति संकट में है ।

   ----

3. कवि ने उसकी सहायता की ।

   ----

4. कवि की सहानुभूति से हताश व्यक्ति को सांत्वना मिली ।

   ----

5. आपस में न जानने पर भी वे दोनों मिलकर चलने लगे ।

   ----

6. कवि को उसकी समस्या मालूम हुई ।

   ----

2. प्रश्नों का उत्तर लिखें ।

1.‘ हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ’- कविता किसकी है ? --------------
2. कवि ने इस कविता में कौन-से शब्द पर बल दिया है? ---------------
3.‘ व्यक्ति को मैं नहीं जानता था ’- इसमें ‘ **मैं** ’ कौन है ? ---------------
4. कवि ने रास्ते पर किसको देखा ? --------------
5. व्यक्ति किस हालत में था ? --------------
6. उसकी हताशा का कारण क्या था ? --------------
7. कवि क्या नहीं जानते थे और क्या जानते थे ? --------------
8. कवि की राय में व्यक्ति को कैसे जानना है ? --------------
9. कवि हताश व्यक्ति के पास क्यों गया ? -------------
10. व्यक्ति की हालत समझकर कवि ने क्या किया ? --------------
11. कवि ने हताश व्यक्ति के सामने हाथ क्यों बढाया ? ---------------
12.‘ हाथ बढाना ’- का मतलब क्या है ? ---------------
13. हताश व्यक्ति ने कवि का हाथ क्यों पकडा ? ----------------
14. कवि ने हाथ बढाया तो उस व्यक्ति ने क्या किया ? ---------------
15.‘ मेरा हाथ पकडकर वह खडा हुआ ।’- यहाँ ‘ **वह** ’ कौन है ? ---------------
16.‘ हम दोनों साथ चले ‘- कौन-कौन साथ चले ? ----------------
17.‘ वे दोनों साथ चले । ‘- क्यों ? ----------------
18.‘ साथ चलना ’- का मतलब क्या है ? --------------
19. ‘ व्यक्ति को मैं नहीं जानता था ’- इससे कवि क्या कहना चाहते हैं ? ----------------
20. ‘ मैं उसकी हताशा को जानता था ’- इससे कवि क्या कहना चाहते हैं ? ----------------
21. कवि के अनुसार हताश व्यक्ति अपनेलिए क्यों अपरिचित नहीं है? ----------------
22. ‘ अपरिचित होने पर भी कवि ने हताश व्यक्ति की सहायता की ।‘- इससे क्या संदेश मिलता है ? ----------------
23.‘ कवि व्यक्ति को नहीं जानता था । / व्यक्ति की हताशा को जानता था ’- इससे क्या आशय मिलता हैं ? ----------------
24.‘ दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे । / साथ चलने को जानते थे ’- इससे क्या मतलब है ? ----------------
25. ‘ व्यक्ति को जानते बिना परेशानी में उसकी मदद करना ’ किसका सूचक है ? ----------------
26. हताश व्यक्ति के प्रति हमारा मनोभाव कैसा होना चाहिए ? ----------------
27. मिलकर चलनेवालों में कौन कौन - सा गुण मौजूद है? ----------------
28. हताश व्यक्ति को किसकी आवश्यकता ज़रूरी है ? ----------------

3. आशय समझकर सही मिलान करके लिखें ।

1.

हताशा से एक व्यक्ति	मेरे हाथ बढाने को जानते थे ।
मैं उस व्यक्ति को नहीं जानता था	सडक के किनारे बैठा था ।
मुझे वह नहीं जानता था	साथ साथ चलने को जानता था ।
दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे	हताशा को जानता था ।

4. सही प्रस्ताव चुनकर लिखें ।

1. * कवि व्यक्ति की हताशा को जानता था । * कवि व्यक्ति को जानता था ।
   * व्यक्ति कवि को जानता था । * व्यक्ति कवि की हताशा को जानता था ।

2. * कवि व्यक्ति को पहले से जानता था । * व्यक्ति कवि को पहले से जानता था ।
   * कवि और व्यक्ति परस्पर (एक दूसरे को) जानते थे । * कवि और व्यक्ति साथ चलने को जानते थे ।

5. गलत प्रस्ताव चुनकर लिखें ।

1. * कवि ने सडक पर एक घायल पडे व्यक्ति को देखा । * कवि अपरिचित व्यक्ति को पहले जानता था ।
   * अपरिचित व्यक्ति कवि को पहले नहीं जानता था । * कवि ने अपरिचित व्यक्ति की सहायता की ।

GRAMMAR PART ACTIVITIES

1. सही विकल्प चुनकर लिखें ।

1. मैं + से = मुझे   मैं + को = मुझे   मैं + के = मुझे   मैं + ने =मुझे   ....
2. मैं + को = मेरा   मैं + के = मेरा   मैं + की = मेरा   मैं + का = मेरा   ....
3. मैं + को = मेरे   मैं + के = मेरे   मैं + की = मेरे   मैं + का = मेरे   ....

2. कोष्ठक से सही क्रिया रूप से वाक्य की पूर्ति करें ।

1. कवि और व्यक्ति एक साथ ----------------।   (चलने लगा, चलने लगे, चलने लगी, चलने लगीं)
2. कवि व्यक्ति को हताशा से ---------------।   (जानना चाहता है, जानना चाहती है, जानना चाहते हैं, जानना चाहती हैं)

3. नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।

1. मैं हताशा जानता हूँ ।   मुझे हताशा मालूम है ।
   हम हताशा जानते हैं ।   ------------------- ।

2. वह मेरी हालत जानता है ।   उसको मेरी हालत मालूम होगी ।
   वे मेरा हाल जानते हैं ।   ----------------------------।

3. मैं व्यक्ति को नहीं जानता था ।   हम व्यक्ति को नहीं ---------।
4. आदमी हताशा से बैठ रहा था ।   औरत हताशा से ---------------- ।
5. कवि व्यक्ति के पास जाते हैं ।   कवयित्री व्यक्ति के पास ---------- ।
6. दोनों साथ चलते थे ।   वह साथ ------------------- ।

4. सही वाक्य पहचानकर लिखें ।

1. (क) कवि हाथ बढाने लगा ।   (ख) कवि हाथ बढाने लगे ।
   (ग) कवि हाथ बढाना लगा ।   (घ) कवि हाथ बढाना लगे ।

2. (क) दोनों साथ चलने लगे ।   (ख) दोनों साथ चलने लगा ।
   (ग) दोनों साथ चलने लगी ।   (घ) दोनों साथ चलने लगीं ।

3. (क) कवि व्यक्ति की हताशा को जानता था ।   (ख) कवि व्यक्ति की हताशा को जानते थे ।
   (ग) कवि व्यक्ति की हताशा को जानती थी ।   (घ) कवि व्यक्ति की हताशा को जानती थीं ।

4. (क) मैं व्यक्ति को जानना नहीं चाहता है ।   (ख) मैं व्यक्ति को जानना नहीं चाहते हो ।
   (ग) मैं व्यक्ति को जानना नहीं चाहता हूँ ।   (घ) मैं व्यक्ति को जानना नहीं चाहते हैं ।

5. रेखांकित शब्द के बदले कोष्ठक के शब्द का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें ।

1. तू व्यक्ति को नहीं जानता है । (तुम) .....
2. हम कुछ नहीं जानते हैं । (मैं) .....
3. व्यक्ति हताशा से बैठा था । (व्यक्तियाँ) .....
4. मैंने उसकी मदद की । (सहारा) .....
5. वह मुझे नहीं जानता था । (वे) .....
6. दोनों साथ चलने लगे । (मैं) .....

6. कोष्ठक से उचित शब्द सही स्थान पर रखकर वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें ।

1. व्यक्ति चलता है । (धीरे-धीरे, अपरिचित)
   व्यक्ति कवि के साथ चलता है ।
   ----------।
   ----------।

2. हमें हताशा मालूम है । (अच्छी तरह, अपरिचित)
   हमें व्यक्ति की हताशा मालूम है ।
   ----------।
   ----------।

3. व्यक्ति बैठ गया था । (रास्ते पर, असहाय)
   वह व्यक्ति बैठ गया था ।
   ----------।
   ----------।

4. मैं ने हाथ बढाया । (मदद करने, हताश)
   मैं ने व्यक्ति की तरफ हाथ बढाया ।
   ----------।
   ----------।

5. मैं नहीं जानता था । (कुछ, हताश)
   मैं व्यक्ति के बारे में नहीं जानता था ।
   ----------।
   ----------।

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCR145

(PART -2 टिप्पणी) - कार्यपत्रिका

1.समानार्थी शब्द चुनकर लिखें ।

1. स्वाभाविकता -	2. प्रसिद्ध -	3. स्वाभाविक -	4. ज़रूरत - ....
5. रीति -	6. आयु–	7. कष्ट -	8. सहायता - ....
9. वर्णन -	10. सूक्ष्म -	11. शिल्प विद्धा -	12. अनुभव - ....
13. जीभ -	14. सुदृढ -	15. सफल -	16. रहस्य - ....
17. विवशता -	18. ज़ख्मी -	19. निरंतर -	20. विशेषता - ....
21. उर्दू कविता -	22. सुननेवाले -	23. आलाप -	24. बाकी - ....
25. आवश्यक –	26. स्वयं ही -	27. गेयता -	28. पद - ....
29. परिचित -	30. सहानुभूति -		

2. विशेषण शब्द लिखें ।

1. सरल शब्द –	2. जानी-पहचानी रूढी -	3. अपरिचित व्यक्ति – ....
4. हताश व्यक्ति -	5. बारीक कारीगरी -	6. आखिरी शेर – ....
7. आखिरी शब्द -	8. अंतिम शब्द -	9. रूढिग्रस्त अर्थ - ....
10. पूरी बात -	11. शेष पंक्तियाँ -	12. असली आधार - ....

5. प्रश्नों का उत्तर लिखें ।

1. शुक्ल जी की कविता की विशेषताएँ क्या-क्या हैं ? ----------------------
2.‘ स्थायी ’ किसे कहते हैं ? ----------------------
3. लेखक की राय में कविता का शिल्प पक्ष किस प्रकार है ? ----------------------
4. कवि की राय में किसी व्यक्ति को जानने केलिए हमें क्या करना चाहिए ? ----------------------
5.‘ जानने ’ का असली आधार क्या है ? ----------------------
6.‘ जानना ‘ शब्द का परंपरागत अर्थ यानी हमारी जानी-पहचानी रूढी क्या है ? ----------------------
7. कवि के मत में व्यक्ति को जानने का मतलब है ? ----------------------
8. मुसीबत में पडे लोगों को किसकी ज़रूरत है ? ----------------------
9. हमें किन-किन व्यक्तियों की मदद करनी चाहिए ? ----------------------
10. सडक पर घायल पडे अपरिचित व्यक्ति को देखकर हमें क्या करना चाहिए ? ----------------------
11. घायल पडे व्यक्ति के प्रति हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए ? ----------------------
12. कविता किसकी याद दिलाती है ? ----------------------
13. कविता के अनुसार मनुष्य को किस तरह जानना चाहिए ? ----------------------
14. कविता में कवि का कौन सा मनोभाव प्रकट है ? ----------------------
15. यहाँ ‘ जानकारियाँ ’ माने क्या है ? ----------------------
16.‘ मनुष्य को मनुष्य की तरह जानना ’ इस प्रयोग से क्या तात्पर्य है ? ----------------------
17. कविता को व्याख्या की दरकार नहीं । क्यों ? ----------------------
18. कविता की शिल्प पक्ष में क्या आता है ? ----------------------
19. कविता का संदेश क्या है ? ----------------------
20. कविता का केंद्रीय भाव क्या है ? ----------------------
21. कविता में कवि जानने की हमारी किस रूढि को तोड देते हैं ? ----------------------
22. कविता में लगातार किसका बयान करती चलती है ? ----------------------
23. लोकगीत के स्थायी की तरह बार-बार लौटनेवाला शब्द क्या है ? ----------------------
24. कवि की राय में मनुष्य में क्या होना चाहिए ? ----------------------
25. सडक पर घायल पडे व्यक्ति को देखकर हम क्या नहीं कह सकते ? ----------------------
26. हमें मदद की ज़रूरत कब चाहिए ? ----------------------

SREEJITH P, KOVOOR VARKALA SERIES

5. सही <u>एक</u> प्रस्ताव चुनकर लिखें ।

1. * व्यक्ति को जानने का मतलब है उसके नाम से जानना ।
   * व्यक्ति को जानने का मतलब है उसकी हताशा को जानना ।
   * व्यक्ति को जानने का मतलब है उसकी आर्थिक स्थिति को जानना ।
   * व्यक्ति को जानने का मतलब है उसके ओहदे से जानना ।

   ----

2. * दो मनुष्यों के बीच मानवीय संवेदना होना ज़रूरी नहीं, जानकारियाँ ज़रूरी है ।
   * दो मनुष्यों के बीच मानवीय संवेदना होना ज़रूरी है, जानकारियाँ ज़रूरी नहीं है ।
   * दो मनुष्यों के बीच मानवीय संवेदना होना ज़रूरी नहीं, जानकारियाँ ज़रूरी नहीं है ।

   ----

3. * दूसरों के प्रति मनुष्यता प्रकट करने पर हमें नुकसान होता है ।
   * मनुष्यता यानी इनसानियत मानवीय संबंधों का आधार है ।
   * भेदभाव और असहिष्णुता मानवीय संबंधों का आधार है ।

   ----

4. * सरल शब्दोंवाले वाक्य स्वयं कविता का मर्म है ।
   * कविता का सौंदर्य केवल अलंकारों के प्रयोग पर आधारित है ।
   * कविता का अर्थ सहज और साफ न होकर दुरूह होना चाहिए ।

   ----

5. * हमें किसी भी मनुष्य की सहायता करनी चाहिए ।
   * हमें केवल परिचित व्यक्ति की सहायता करनी चाहिए ।
   * हमें किसी भी मनुष्य की सहायता नहीं करनी चाहिए ।

   ----

6. * हमें किसी भी व्यक्ति की खुशी को जानना चाहिए ।
   * हमें किसी भी व्यक्ति की मुसीबतों को जानना चाहिए ।
   * हमें किसी भी व्यक्ति के ओहदे को जानना चाहिए ।

   ----

7. * मनुष्य में क्रूरता होना चाहिए ।
   * मनुष्य में मनुष्यता होना चाहिए ।
   * मनुष्य में निष्ठुरता होना चाहिए ।

   ----

8. * हम दूसरों की सहायता करें ।
   * हम दूसरों के नाम जानें ।
   * हम अपरिचितों को न देखें ।

SREEJITH R. KUNDOOR VARKALA, SCRT45

5. सही <u>तीन</u> प्रस्ताव चुनकर लिखें ।

1. हताश व्यक्ति को जानने का मतलब है :
   * उसकी हताशा को जानना ।
   * उसकी जाति को जानना ।
   * उसकी मुसीबत को जानना ।
   * उसकी असहायता को जानना ।
   * उसके नाम, पते और उम्र को जानना ।

   1. ----------------- 2. ---------------- 3. -------------------

2.* कविता ‘ जानना ’ शब्द के रूढिग्रस्त अर्थ को बदल देती है ।
   * व्यक्ति के नाम, पते, ओहदे से सब कुछ जान सकते हैं ।
   * कविता का कुंजी शब्द है - जानना ।
   * कविता में मनुष्यता यानी मानवीय संवेदना दिखाने का संदेश है ।
   * गद्ध कविता होने पर इसमें गीतात्मकता नहीं है ।

   1. ----------------- 2. ---------------- 3. -------------------

3. * कविता की पहली पंक्तियों से कोई आशय नहीं मिलता है ।
   * यह कविता ‘ जानना ’ की परंपरागत अर्थ को बदल देती है ।
   * कविता की अधिकांश पंक्तियाँ पहली दो पंक्तियों का अनुकरण करती है ।
   * मनुष्यों को जानने केलिए जानकारियाँ पर्याप्त हैं ।
   * मनुष्यों के बीच मानवीय संवेदना होना आवश्यक है ।

   1. ----------------- 2. ---------------- 3. -------------------

6. सही <u>तीन</u> प्रस्ताव चुनकर लिखें ।

1. * हमें व्यक्तियों की हताशा को जानना है ।
   * व्यक्ति के नाम, पते, उम्र, ओहदे को जानना ज़रूरी है ।
   * हताश व्यक्ति की सहायता करना हमारा दायित्व है ।
   * जानने का अर्थ व्यक्ति के नाम, पते, जाति आदि को जानना है ।
   * कविता, जानना शब्द के रूढिग्रस्त अर्थ को पूरी तरह बदल देती है ।
   * सडक पर घायल पडे व्यक्ति की सहायता नहीं करनी है ।
   * असहाय व्यक्ति हमारा हाथ पकडना नहीं जानता है ।
   * कविता हमें मनुष्य को मनुष्य की तरह जानने का संदेश देती है ।

   1. ----------------- 2. ---------------- 3. ------------------- 4. -----------------------

2. * ‘ हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ’ कविता परोपकार करने का संदेश बतानेवाली है ।
   * दो मनुष्यों के बीच मानवीय संवेदना होने का संदेश कविता में कहीं नहीं मिलता ।
   * कविता के वाक्य सरल अर्थवाले हैं ।
   * कविता दूसरों की हताशा, असहायता, संकट आदि को पहचानने की प्रेरणा देनेवाली है ।
   * कविता में कवि ने अपना संदेश उपदेश की तरह बता दिया है ।
   * कविता का शिल्प पक्ष आकर्षक नहीं है ।
   * कविता “ जानना ” के रूढ मूल अर्थ को तोड देनेवाली है ।
   * “ साथ-साथ चलना ” का मतलब है दूसरों के संकट से दूर रहना ।

   1. ----------------- 2. ---------------- 3. ------------------- 4. -----------------------

3. * व्यक्ति को उसका नाम, पता, उम्र, ओहदा, जाति से जानना है ।
   * व्यक्ति के संकट को जानना चाहिए ।
   * मुसीबत में पडे अपरिचित व्यक्ति को देखकर मदद करना हमारा कर्तव्य है ।
   * जीवन में मानवीय मूल्यों का महत्व है ।
   * विनोद कुमार शुक्ल की भाषा मौलिक एवं सहज है ।
   * कविता एक गज़ल की तरह श्रोताओं के ज़ुबान पर स्वयं आ जाते हैं ।

   1. ----------------- 2. ---------------- 3. ------------------- 4. -----------------------

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCRHS

6. संबंध पहचानकर सही मिलान करें ।

1.

कवि व्यक्ति की	हम कुछ नहीं जानते ।
घायल पडे आदमी को	हताशा को जानते थे ।
किसी के संकट को नहीं जानते तो	नहीं जानते थे ।
कवि व्यक्ति को	मदद की ज़रूरत है ।

2.

सडक पर घायल पडे व्यक्ति को	व्यक्ति के नाम, पते, उम्र, ओहदे या जाति से जानना है ।
कविता का संदेश है	हमारी मदद की ज़रूरत है ।
किसी व्यक्ति को जानने का मतलब	मनुष्य को जानकारियों से नहीं मनुष्यता से जानना है ।
जानने की हमारी परिचित रूढि	उसकी हताशा, निराशा, असहायता और संकट से जानना है ।

3.

कविता में नहीं जानना और जानना	कविता का अर्थ सहज और साफ हैं ।
मनुष्यों के बीच जानकारियाँ नहीं	मौलिकता और भाषा की अनगढता केलिए ।
कवि विख्यात हैं	मनुष्यता का बोध होना ज़रूरी है ।
व्याख्या की आवश्यकता नहीं	लोकगीत के स्थायी की तरह आता है ।

4.

गद्य में लिखी कविता में	श्रोताओं के ज़ुबान पर स्वयं आ जाते हैं ।
जानना शब्द के रूढिग्रस्त अर्थ को	लिरिकल व गीतात्मकता का बोध खूब मिलता है ।
सरल शब्दोंवाले वाक्य	पूरी तरह बदल देती है ।
एक गज़ल की तरह कविता	स्वयं अपना मर्म कह देते हैं ।

5.

हताश व्यक्ति	मनुष्य को मनुष्य के रूप में जानता है ।
	सहायता देने केलिए हाथ बढाता है ।
कवि	हाथ पकडकर खडा हो जाता है ।
	निराश होकर बैठता है ।

7.' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' कविता का आशय समझकर कोष्ठक से तालिका की पूर्ति करें ।

(असहायता से जानना, नाम से जानना, हालत से जानना, पद से जानना, निराशा से जानना, जाति से जानना, रंग से जानना, संकट से जानना)

जानने के रूढिग्रस्त आधार	जानने के असली आधार

SREEJITH R. KOVOOR VARKALA, SCRTS

GRAMMAR PART ACTIVITIES

1. नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें।

1. लेखक व्यक्ति की मदद करते हैं।	लेखक व्यक्ति की मदद करेंगे।
लेखिका व्यक्ति की मदद करती है।	लेखिका व्यक्ति की मदद----- ।
2. मैं उसकी सहायता करता हूँ।	मैं उसकी महायता करूँगा।
तुम उसकी सहायता करते हो।	तुम उसकी महायता ---------- ।
3. तुम उसकी हताशा जानते हो।	तुमको उसकी हताशा मालूम है।
तू उसकी हताशा जानता है।	--------------------------------- ।
4. कवि उसकी हालत जानते थे।	कवि को उसकी हालत मालूम है।
कवयित्री उसकी हालत जानती थीं।	---------------------------------- ।

2. सही वाक्य पहचानकर लिखें।

1. (क) इसे हमारे मदद की ज़रूरत है। (ख) इसे हमारी मदद की ज़रूरत है।
   (ग) इसे हमारी मदद की ज़रूरत हैं। (घ) इसे हमारी मदद का ज़रूरत है।

3. रेखांकित शब्द के बदले कोष्ठक के शब्द का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।

1. <u>कवि</u> अपनी पूरी बात कह देते हैं।	(कवयित्री)	....
2. <u>हम</u> कह सकते हैं।	(मैं)	....
3. <u>मुसीबत</u> अवश्य पहचाननी पडेगी।	(संकट)	....
4. <u>व्यक्ति</u> बैठ रहा था।	(महिला)	....
5. <u>मैं</u> जानता था।	(हम)	....

4. सही विकल्प चुनकर लिखें।

1. वे + ने = उन्हें	वे + को = उन्हें	वे + से = उन्हें	वे + में = उन्हें
2. वह + की = उसकी	वे + की = उसकी	वही + की = उसकी	यह + की = उसकी
3. हम + की = हमारी	मैं + की = हमारी	तुम + की = हमारी	तू + की = हमारी
4. वह + से = उसके	वह + के = उसके	वह + को = उसके	वही + के = उसके

5. कोष्ठक से उचित शब्द सही स्थान पर रखकर वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें।

1. कवि रूढि को तोड देते हैं। (जानी-पहचानी, जानने की)
   कवि हमारी रूढि को तोड देते हैं।
   -------------------|
   ---------------------|

2. कविता अर्थ को बदल देती है। (रूढि ग्रस्त, पूरी तरह)
   कविता जानना शब्द के अर्थ को बदल देती है।
   ---------------------|
   ---------------------|

3. व्यक्ति की मदद करनी चाहिए। (अपरिचित, घायल)
   सडक पर पडे व्यक्ति की मदद करनी चाहिए।
   ------------------------------|
   ---|

4. मदद की ज़रूरत है। (व्यक्ति को, हताश)
   हमारी मदद की ज़रूरत है।
   ---------------------------|
   --------------------------|

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCR145

5. हमने देखा । (सडक पर, घायल पडे)
हमने एक व्यक्ति को देखा ।
----------।
----------।

6. जानना चाहिए । (कारण, हताशा का)
हमें जानना चाहिए ।
----------।
----------।

7. आदमी घायल है । (अपरिचित, पडा)
एक आदमी घायल है ।
----------।
----------।

8. वह मुसीबत में है । (गहरी, अनजान)
वह व्यक्ति मुसीबत में है ।
----------।
----------।

9. हम नहीं जानते । (घायल पडे, सडक पर)
हम व्यक्ति को नहीं जानते ।
----------।
----------।

10. कविता ज़ुबान पर आ जाते हैं । (स्वयं, श्रोताओं के)
कविता गज़ल की तरह ज़ुबान पर आ जाते हैं ।
----------।
----------।

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCR145